

प्रेषक,

अमरेन्द्र सिन्हा,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अपर निदेशक,
पशुपालन विभाग,
उत्तराखण्ड, गोपेश्वर, चमोली।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 28 फरवरी, 2009

विषय— पशुपालन आयोजनागत योजनाओं में पुर्नविनियोग के माध्यम से धनराशि अवमुक्त किया जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-3253/नि०/आय-व्ययक/2007-08 दिनांक 9 फरवरी, 2009 के क्रम में श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में आयोजनेत्तर योजना के अन्तर्गत संलग्न विवरण के अनुसार कुल रूपया 0.25 लाख (रुपया पच्चीस हजार मात्र) की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति संलग्न विवरण के अनुसार पुर्नविनियोग के माध्यम से निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (1) धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं आवश्यक हो, सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये मितव्ययता सम्बन्धी निर्देशों का पालन अवश्य किया जाय।
- (2) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा पर प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी0एम0-5 पर आहरण एवं वितरण अधिकारी ठीक पूर्व माह की सूचना विभागाध्यक्ष को प्रपत्र बी0 एम0-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
- (3) इस सम्बन्ध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय वित्त हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों का पालन कर किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।

2— उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या-31 के लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन आयोजनागत-00-796-जनजातिय क्षेत्र उपयोजना-21-पशु चिकित्सा हेतु देवा वैक्सीन आदि क्रय/शिविरों का आयोजन के सुसंगत इकाईयों के नामे डाला जायेगा तथा संलग्नक बी0एम0-15 के कॉलम संख्या-1 में दर्शायी गई मदों की वचतों से वहन किया जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-325 (P)/XXVII-4/2009 दिनांक 26 फरवरी, 2009 में जारी उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-उक्तानुसार बी0एम0-15

भवदीय,

(अमरेन्द्र सिन्हा)
सचिव।

संख्या-222 (1)/XV-1/2009-तददिनांकित

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
2. निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव एवं आयुक्त महोदय को अपर मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, सहारनपुर रोड, देहरादून।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
5. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. बजट राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
7. निदेशक, एन0आई0सी0, देहरादून।
8. वित्त, अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग।
9. गीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(जी0बी0 ओली)
संयुक्त सचिव।

अनुदान संख्या-31

प्रशासनिक नियंत्रण अधिकारी-अपर निदेशक, पशुपालन विभाग, गोपेश्वर, उत्तराखण्ड

(धनराशि लाख रुपये में)

वजट प्राविधान तथा लेखा शीर्षक / आर्जित धनराशि का विवरण	मानक मदवार अद्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष की अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष सरप्लस धनराशि	लेखा शीर्षक एवं मद जिसमें धनराशि स्थानान्तरित की जानी है	पुनर्विनियोग का बढ़ स्तम्भ 5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ 1 में अवशेष	अनुवित्त
1	2	3	4	5	6	7	8
2403-पशुपालन आयोजनागत-00-102-पशु तथा मत्स्य विकास-04-उत्तराखण्ड लाईवस्टॉक डेवलपमेंट बोर्ड का संचालन-	1.00 0.30 0.10 0.10 1.90 0.20	0.00 0.00 0.00 0.00 0.00 0.00	1.00 0.30 0.10 0.10 1.80 0.20	2403-पशुपालन आयोजनागत-00- 796-जनजातीय क्षेत्र उपयोगना- 21-पशु चिकित्सा हेतु दया वैक्सीन आदि क्रय / शिपिरी का आयोजन- 15-मोटर गाड़ी अनु- 39-औषधि-वैक्सीन-	1.25 0.25	0.00 0.00 0.00 0.00 0.00 0.00	उत्तराखण्ड लाईवस्टॉक डेवलपमेंट बोर्ड का संचालन योजनागत-00 मा0 महानुभाव की नियुक्ति न होने के कारण धनराशि की आवश्यकता न होने तथा पशु चिकित्सा हेतु दया वैक्सीन आदि क्रय / शिपिरी का आयोजन योजना में अनुपूरक मोंग के माध्यम से धनराशि स्वीकृत न होने तथा योजनागत धनराशि की कमी होने के कारण पुनर्विनियोग से धनराशि की मोंग की जा रही है।
योग	3.50	0.00	3.50	0.25	1.25	3.25	

(रूपया पच्चीस हजार मात्र)

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से वजट मैनुअल के परिच्छेद 150, 151, 155 एवं 156 में उल्लिखित प्राविधानों का उल्लंघन नहीं होता है।

(अमरेंद्र सिन्हा)
सचिव